Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 20-03-2006

Participants : Ansari Shri Afjal

an>

Title : Problems being faced by the farmers due to damage to their crops caused by unseasonal rains and hailstorm in Uttar Pradesh and other parts of the country.

श्री अफ़ज़ाल अनसारी (गाज़ीपुर) : महोदया, मैं आपके माध्यम से इस सरकार का ध्यान एक गंभीर संकट की ओर आकर्ति करना चाहता हूं। इस समय देश के कई भागों में और विशेा रूप से उत्तर प्रदेश में बरसात और ओलावृटि के कारण किसानों के समक्ष घोर संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। आम का सीज़न प्रारम्भ होने वाला है और ओलावृटि और असमय की वर्ा के कारण आम की फसल पैदा करने वाले जो किसान हैं, उनके सामने भी संकट की स्थिति है और जो फसलें बोई गई थीं, विशेा रूप से गेहूं की फसल, जो काटी जा चुकी है, वह खलिहानों में सड़ रही है।

महोदया, इस बेमौसम पानी की वजह से मसूर की फसल बर्बाद हो चुकी है। किसानों के सामने संकट की स्थिति है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि इस विपत्ति की घड़ी में किसानों को राहत देने के लिए राज्य सरकारों को विशेा आर्थिक पैकेज देकर, आर्थिक सहायता प्रदान की जाए।

महोदया, मेरा निवेदन है कि इस वर्ा किसानों का लगान माफ कर दिया जाए। जिन किसानों से कर्ज की वसूली सख्ती और उत्पीड़न के साथ हो रही है, उसे रोक दिया जाए। इस वर्ा किसानों ने कर्ज लेकर जो बीज और खाद ली, वह खेती में इस्तेमाल की, लेकिन बेमौसम की बर्सात ने उनकी सारी की सारी फसल तबाह और बर्बाद कर दी। इसलिए मेरा निवेदन है कि इस वर्ा का कर्जा माफ किया जाए। इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं और आपको धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विाय को सदन में उठाने का मौका प्रदान किया।

डॉ. राजेश मिश्रा (वाराणसी) : सभापति महोदया, सबसे पहले तो हम आपको बधाई देते हैं कि आप सभापति की कुर्सी पर आसीन हुईं।

सभापति महोदय : शुक्रिया।